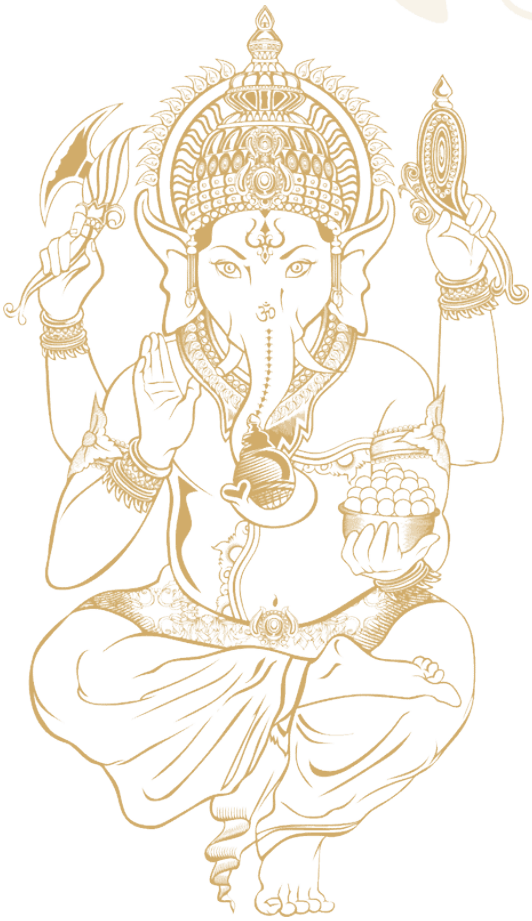

Rishikesh kumar

Vaishnavi gupta

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119448501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119448501 Date: 15/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/11/1997	जन्म तिथि	30-01/10/1998
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 18:48:00	जन्म समय	02:45:00 घंटे
घटी 32:01:16	जन्म समय(घटी)	53:11:59 घटी
India	देश	India
Siliguri	स्थान	Kanpur
26:42:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
88:26:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:44	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:29	सूर्योदय	06:00:38
16:44:32	सूर्यास्त	17:56:40
23:49:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:13
मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कर्क	राशि	मकर
चन्द्र	राशि-स्वामी	शनि
आश्लेषा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
बुध	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	4
ब्रह्म	योग	सुकर्मा
विष्टि	करण	तैतिल
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
मार्जार	योनि	नकुल
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	सिंह

Aacharya Vishal pandey
Jyotish Paramarsh Kendra
Varanasi
8175006666
vishalpandey7860@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 14वर्ष 8मा 29दि		06:17:01	मिथु	लग्न	कर्क	29:19:20	सूर्य 1वर्ष 1मा 20दि	
शुक्र		04:25:41	वृश्चि	सूर्य	कन्या	13:40:05	राहु	
21/08/2019		18:25:57	कर्क	चंद्र	मक	07:27:55	20/11/2016	
21/08/2039		14:44:43	धनु	मंगल	सिंह	02:05:13	21/11/2034	
शुक्र	20/12/2022	24:23:24	वृश्चि	बुध	कन्या	17:38:04	राहु	04/08/2019
सूर्य	21/12/2023	21:13:56	मक	गुरु व	कुंभ	27:18:20	गुरु	27/12/2021
चन्द्र	20/08/2025	20:36:38	धनु	शुक्र	कन्या	06:03:38	शनि	02/11/2024
मंगल	21/10/2026	20:18:14	मीन व	शनि व	मेष	08:03:57	बुध	23/05/2027
राहु	20/10/2029	22:57:18	सिंह व	राहु	सिंह	07:04:50	केतु	09/06/2028
गुरु	20/06/2032	22:57:18	कुंभ व	केतु	कुंभ	07:04:50	शुक्र	10/06/2031
शनि	21/08/2035	11:29:20	मक	हर्ष व	मक	15:06:23	सूर्य	04/05/2032
बुध	21/06/2038	03:50:58	मक	नेप व	मक	05:34:44	चन्द्र	02/11/2033
केतु	21/08/2039	11:21:50	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:01:36	मंगल	21/11/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:34 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:13

लग्न-चलित

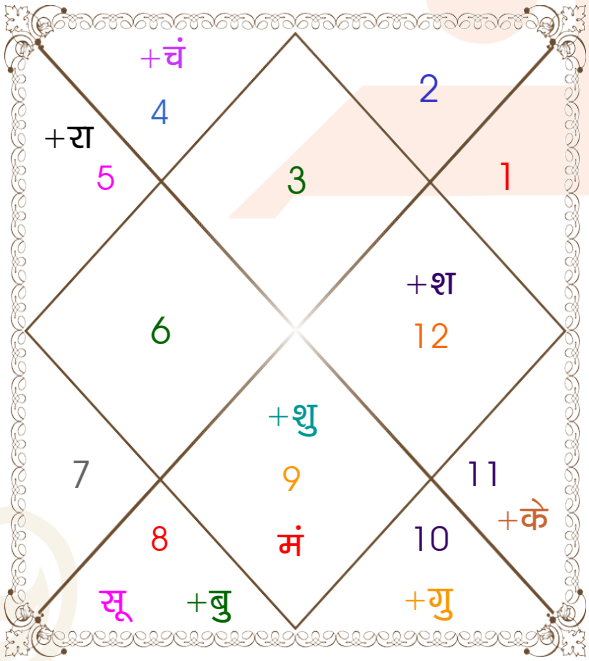

लग्न-चलित

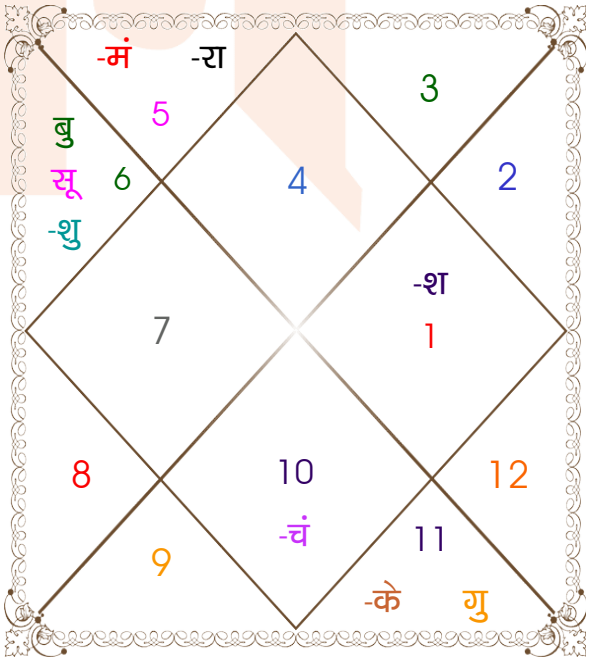

Aacharya Vishal pandey
Jyotish Paramarsh Kendra
Varanasi
8175006666
vishalpandey7860@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

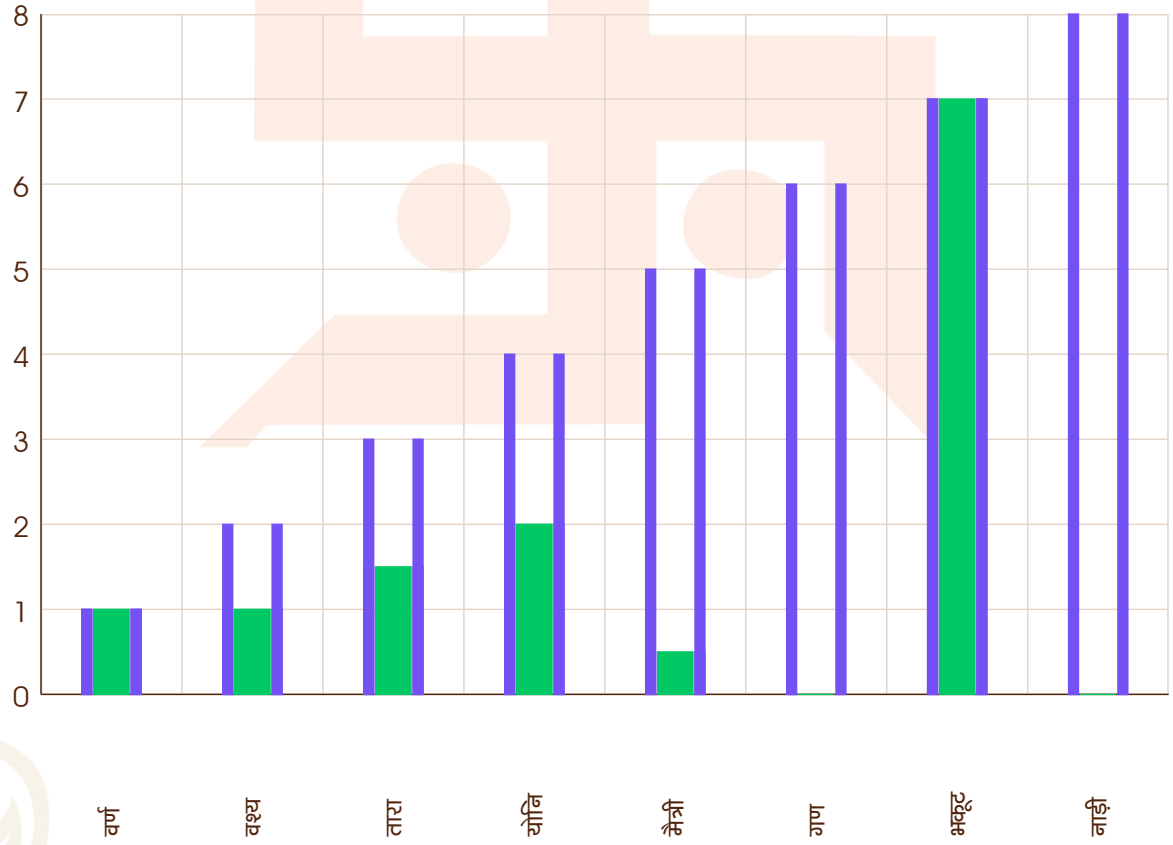

Aacharya Vishal pandey
Jyotish Paramarsh Kendra
Varanasi
8175006666
vishalpandey7860@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

त्पीपामी ानउंत का वर्ग श्वान है तथा Vaishnavi gupta का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

त्पीपामी ानउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Vaishnavi gupta मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्पीपामी ानउंत तथा Vaishnavi gupta में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक एवं अष्टकूट गुण न मिलने के कारण दोनों का मिलान बिल्कुल ठीक नहीं हैं।

Aacharya Vishal pandey
Jyotish Paramarsh Kendra
Varanasi
8175006666
vishalpandey7860@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

त्पीपामी ानउंत का वर्ण ब्राह्मण तथा Vaishnavi gupta का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Vaishnavi gupta सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Vaishnavi gupta मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

त्पीपामी ानउंत का वश्य जलचर है एवं Vaishnavi gupta का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

त्पीपामी ानउंत की तारा वध तथा Vaishnavi gupta की तारा क्षेम है। त्पीपामी ानउंत की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। त्पीपामी ानउंत बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। त्पीपामी ानउंत को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Vaishnavi gupta लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

त्पीपामी ानउंत की योनि मार्जार है तथा Vaishnavi gupta की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के

बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में त्पीपामी ानउंत का राशि स्वामी Vaishnavi gupta के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Vaishnavi gupta का राशि स्वामी त्पीपामी ानउंत के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

त्पीपामी ानउंत का गण राक्षस है तथा Vaishnavi gupta का गण मनुष्य है। अर्थात Vaishnavi gupta का गण त्पीपामी ानउंत के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

त्पीपामी ानउंत एवं Vaishnavi gupta की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा त्पीपामी ानउंत व Vaishnavi gupta को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

त्पीपामी ानउंत की नाड़ी अन्त्य है तथा Vaishnavi gupta की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह

Aacharya Vishal pandey
Jyotish Paramarsh Kendra
Varanasi
8175006666
vishalpandey7860@gmail.com

मिलान अच्छा मिलान नहीं है। त्पीपामी ानउंत एवं Vaishnavi gupta की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

Aacharya Vishal pandey
Jyotish Paramarsh Kendra
Varanasi
8175006666
vishalpandey7860@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

त्पीपामी ानउंत की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा Vaishnavi gupta की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जल में समानता का भाव रहता है। अतः त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta के मध्य स्वाभाविक समता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा फलतः मिलान उत्तम रहेगा।

त्पीपामी ानउंत एवं Vaishnavi gupta की राशियों के स्वामी परस्पर शत्रु एवं समभाव में पड़ते है। इसके प्रभाव से यदा कदा त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta एक दूसरे के प्रति विरोध एवं वैमनस्य के भाव का प्रदर्शन करेंगे जिससे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः संबधों में कटुता का भाव उत्पन्न होगा। यदि त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta ऐसी प्रवृति पर नियंत्रण रख सके तो उनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग एवं सहानुभूति के भाव में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व को मध्य नजर रखते हुए परस्पर भावनाओं का सम्मान करेंगे। इससे त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta का वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta दोनों का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरूचियों में गहन समानता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी तथा एक दूसरे की काम भावनाओं को शांत एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः परस्पर अत्यंत ही आकर्षण एवं प्रेम का भाव रहेगा।

त्पीपामी ानउंत का वर्ण ब्राह्मण तथा Vaishnavi gupta का वर्ण वैश्य है। इसके प्रभाव से त्पीपामी ानउंत शैक्षणिक कार्य कलापों या धर्म संबधी कार्यो में प्रवृत रहेंगे तथा Vaishnavi gupta की प्रवृति किसी भी प्रकार से धनार्जन संबधी कार्यो को परिश्रम तथा ईमानदारी से करने की होगी फलतः कार्यक्षेत्र में भी उन्नतिशील रहेंगे।

धन

त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव Vaishnavi gupta पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी Vaishnavi gupta को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए त्पीपामी ानउंत को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Vaishnavi gupta के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Vaishnavi gupta को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Vaishnavi gupta को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार त्पीपामी ानउंत और Vaishnavi gupta का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Vaishnavi gupta के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Vaishnavi gupta

सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Vaishnavi gupta को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Vaishnavi gupta धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Vaishnavi gupta के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Vaishnavi gupta ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

त्पीपामी ानउंत की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। त्पीपामी ानउंत सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही त्पीपामी ानउंत का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी त्पीपामी ानउंत के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। त्पीपामी ानउंत भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण त्पीपामी ानउंत के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।